पूर्वोत्तर रेलवे

श्री निखिल पाण्डेय , वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक

के मार्गदर्शन

एवं

श्री दया शंकर, कार्य कुशलता अधिकारी

के निर्देशन में

सम्पादित

''लखनऊ मण्डल के इंजीनियरिंग विभाग के अन्तर्गत सी0से0ई0(रेलपथ)/ऐशबाग के अंतर्गतकर्मचारी संख्या की समीक्षा'' विषय पर कार्याध्ययन।

द्वारा

बसन्त कुमार
मुख्य योजना निरीक्षक

सी0 एस0 श्रीवस्तव
कार्यकुशलता निरीक्षक

कार्य कुशलता संगठन
पूर्वोत्तर रेलवे
गोरखपुर

कार्याध्ययन सं0 – एन0ई0//2018–19

मिसिल संख्या – प्र/560/1/2018–19/

****

<u>अधिशासकीय सार</u>

1.	क्रम संख्या	–	
2.	कार्याध्ययन संख्या	–	एन0ई0 / /2018–19
3.	मिसिल संख्या	–	प्र/560/1/2018–19/
4.	विषय	–	''लखनऊ मण्डल के इंजीनियरिंग विभाग के अन्तर्गत सीसेइं(रेलपथ)/ऐशबाग के अंतर्गत कर्मचारी संख्या की समीक्षा'' विषय पर कार्याध्ययन।
5.	विभाग	–	इंजीनियरिंग
6.	प्राधिकार	–	वर्ष 2018–19 के कार्याध्ययन सूची के अनुसार ।
7.	संदर्भित सीमायें:–	(i)	सी.से.ई.(रेलपथ)/ऐशबाग के अन्तर्गत कार्यरत सभी कर्मचारियों के कार्यभार का आंकलन करना।
		(ii)	प्राप्त कार्यभार एवं भौतिक प्रेक्षण के आधार पर उनके कार्यभार का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।
		(iii)	उपरोक्त अध्ययन के दृष्टिगत पर्यवेक्षकीय विचार–विमर्श एवं अधिकारी स्तर पर मुख्य विंदुओं को रखना।
		(iv)	तत्पश्चात कार्यभार का आलोचनात्मक विश्लेषण एवं उपरोक्त विचार–विर्मश के उपरांत सरप्लस कर्मचारी संख्या को इंगित कर अभ्यर्पण हेतु संस्तुति देना।
8.	कर्मचारी की स्वीकृत संख्या जिनका कार्याध्ययन किया गया	–	183
9.	संस्तुति सारांश	–	पृष्ठ संख्या–II
10.	अभ्यर्पण हेतु पदों की संख्या	–	24
11.	वित्तीय बचत	–	**रू01 करोड 63लाख मात्र**
12.	वितरण तिथि	–	दिसम्बर/2018

****

अनुक्रमणिका

क्रम सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	आभार	I
2.	संस्तुतियाँ	II
3.	वित्तीय परिणाम	III
4.	**अध्याय–प्रथम**	**1**
	प्रस्तावना, प्राधिकार एवं संदर्भित सीमायें ।	
5.	**अध्याय– द्वितीय**	**2**
	कर्मचारियों का स्वीकृत एवं वास्तविक संख्या तथा उनका कार्यक्षेत्र।	
6.	**अध्याय– तृतीय**	**3–8**
	कार्यभार का आलोचनात्मक विश्लेशण, तद्नुसार कर्मचारी संख्या का आंकलन एवं संस्तुतियॉ।	

****

आभार

कार्याध्ययन दल श्रीमती विजय लक्ष्मी कौशिक,मण्डल रेल प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ श्री आर0 के0 श्रीवास्तव, वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर (समन्वय), लखनऊ, श्री पावस यादव, वमंइं–।।। लखनऊ एवं श्री आनंद वर्धन, वरिष्ठ सहायक मण्डल इंजी./लाईन के प्रति गहन आभार व्यक्त करता है, जिन्होंने कार्याध्ययन के सफल सम्पादन हेतु अपना बहुमूल्य मार्गदर्शन प्रदान किया।

कार्याध्ययन दल सीनियर सेक्शन इंजीनियर (रेलपथ)/ऐशबाग, श्री अनुज गुप्ता एवं एस0 के0 श्रीवास्तव,के प्रति भीआभार व्यक्त करता है, जिन्होंने कार्याध्ययन से संबंधित वांछित सूचनायें एवं आंकड़े समयानुसार उपलब्ध कराने में विशेष सहयोग प्रदान किया।

****

(II)

संस्तुतियाँ

क्रमांक	संस्तुतियॉ	मद सं0
1.	संस्तुति की जाती है कि लखनऊ मंडल के इंजीनियरिंग विभाग के संबंधित सी.से.ई./पीवे इकाई से 24 पद जो आवश्यकता एवंकार्यभारसे अधिक ऑकलित किये गये है, को शीघ्र अभ्यर्पित किया जाय ।	3.16

****

(III)

वित्तीय परिणाम

कार्याध्ययन में की गयी संस्तुतियों के क्रियान्वयन के फलस्वरूप रेल प्रशासन को होने वाली अनुमानित वार्षिक बचत के आकलन में निम्नतम वेतनमान 5200–20200 ग्रेड–पे 1800 को आधार माना गया है। वार्षिक आवर्ती बचत का आंकलन निम्नवत् है:–

क्र.सं.	पदों की संख्या	वे0मान	ग्रेड पे	औसत मूल्य प्रति पद प्रति माह (रू0 में)	औसत मूल्य प्रति माह(रू0 में)	बार्षिक आवर्ती बचत(रू0 में)
1	24	5200-20200	1800	56535	1356840	16282080
योग	**24**					**16282080**

रू0 एक करोड़ बासठलाख बयासीहजार अस्सीमात्र ।

******

अध्याय– प्रथम

1.0 प्रस्तावना, प्राधिकार एवं संदर्भित सीमायें :–

भारतीय रेल पर गाड़ियों के सफल संचालन एवं सुरक्षित आवगमन हेतु ट्रैक एवं सेलिंग स्टॉक का होना सबसे महत्वपूर्ण है। इस सफल संचलन को सुरक्षित बनाये रखने के लिये ट्रैकों की देखभाल एवं मरम्मत समय–समय पर आवश्यक होता है। इसीलिये ट्रैकों की देखभाल हेतु इंजी. विभाग में रेल पथ के अंतर्गत विभिन्न कोटि के कर्मचारियों की पदस्थापना की जाती है। ये कर्मचारी गैंग के रूप में एक समूह का आकार देकर अपने कार्यसीमा में ट्रैकों की निगरानी एवं मरम्मत का कार्य संपादित करते है। एक गैंग में गैंग मेंट, की–मैन एवं ट्रैकमैन कोटि के कर्मचारी होते हैं जो सीसेइं/जे.इं/पी.वे. के पर्यवेक्षण में कार्य करते हैं।

उपरोक्त कार्याध्ययन को रेलवे बोर्ड की संस्तुति एवं वउमप्र महोदय के निदेशानुसार वर्ष 2018–19 की कार्याध्ययन सूची में शामिल किया गया है। इसे संपादित करने हेतु निम्नलिखित विधि एवं कार्य सीमा निर्धारित की गई है :–

(i) सी.से.ई.(रेलपथ)/ऐशबाग के अन्तर्गत कार्यरत सभी कर्मचारियों के कार्यभार का आंकलन करना।

(ii) प्राप्त कार्यभार एवं भौतिक प्रेक्षण के आधार पर उनके कार्यभार का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

(iii) उपरोक्त अध्ययन के दृष्टिगत पर्यवेक्षकीय विचार–विमर्श एवं अधिकारी स्तर पर मुख्य विंदुओं को रखना।

(iv) तत्पश्चात कार्यभार का आलोचनात्मक विश्लेषण एवं उपरोक्त विचार – विर्मश के उपरांत सरप्लस कर्मचारी संख्या को इंगित कर अभ्यर्पण हेतु संस्तुति देना।

******

अध्याय– द्वितीय

2.0 कर्मचारियों का स्वीकृत एवं वास्तविक संख्या तथा उनका कार्यक्षेत्र :–

2.1 सी.से.ई.(रेलपथ)/ऐशबाग के कर्मचारी के स्वीकृत एवं वास्तविक संख्या तथा अन्य कार्यभार का विवरण निम्नवत् है :–

क्र. सं.	कोटि	वेतनमान	ग्रेड पे	स्वीकृत संख्या	वास्तविक संख्या
1	गैंगमेट	9300–34800	4200	09	03
2	कीमैन	5200–20200	2800	16	06
3	ट्रैकमैन	5200–20200	1900/1800	158	122
	योग			183	131

2.2 सीसेइं/पीवे/ऐशबाग का कार्यक्षेत्र अपने यूनिट मुख्यालय ऐशबाग से किसी एक दिशा में न होकर विभिन्न दिशाओं में विभक्त है जो अलग–अलग सेक्शन के रूप में निम्नलिखित रूप से दर्शाया गया है।

2.2 सेक्शन वाइज कार्यक्षेत्र :–

(i) कानपुर सेन्ट्रल की ओर :– **लखनऊ जं.–मानकनगर खण्ड किमी. 0एम/0 से 4 एम/8 (LJN-MKG) सेक्शन**

(ii) गोरखपुर की ओर :– **लखनऊ जं–डालीगंज जं.खंड किमी. 0/0 से 7/16 (LJN-DAL)**

(iii) मुरादाबाद जं की ओर :– **लखनऊ जं–आलमनगर खंड किमी. 1074/30 से 1075/12 (LJN-AMG)**

(iv) सीतापुर की ओर :– **लखनऊ जं–आलमनगर खंड कीमी 1074/30 से 1075/12**

2.3 इस प्रकार उपरोक्त वर्णित विभिन्न दिशाओं में इंगित कार्यक्षेत्र 4 खण्डों में विभक्त पाये गये हैं। इसमें LJN-MKG खंड आगे उत्तर रेलवे से जुड़ता है तथा LJN- आलमनगर खंड एवं लखनऊ–गोरखपुर खंड एवं गोरखपुर–डालीगंज आपने पूर्वोत्तर रेलवे से ही जुड़ता है। इसमें लखनऊ भी उत्तर रेलव से जुड़ता है। डालीगंज खण्ड पर अमान परिवर्तन कार्य प्रगति पर है। कार्याध्ययन दल को बताया गया कि यह आमान परिर्वतन कार्य अब अंतिम चरण में है अतः इसके अब शीघ्र प्रारंभ होने की संभावना है। इस प्रकार इस आमान परिवर्तन का कार्य पूर्ण हो जाने के पश्चात सीसेइं/पीवे/ऐशबाग का कार्यक्षेत्र संपूर्ण रूप से केवल बी.जी. खण्ड का हो जायेगा।

******

अध्याय – तृतीय

3.0 कार्यभार का आलोचनात्मक विश्लेषण एवं तद्नुसार आवश्यक कर्मचारी संख्या का आंकलन एवं संस्तुतिः—

3.1 सीसेइं/पीवे/ऐशबाग का कार्यक्षेत्र मंडल स्तर पर वमंई/समन्वय के प्रत्यक्ष प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य करता है। कार्य की सरलता एवं अन्य प्रशासनिक कार्यों के निस्तारण हेतु यह यूनिट वमंई–।।। के नियंत्रण में कार्यरत रहता है एवं यूनिट का प्रत्यक्ष नियंत्रण एवं निरीक्षण इत्यादि हेतु यह वसमंई/लाइन, लखनऊ जं0 के अधीन कार्यरत रहता है।

3.2 सीसेइं/पी.वे./ऐशबाग यूनिट के अंतर्गत विभिन्न कोटि के कर्मचारियों जो गैंगमेट, कीमैन एवं ट्रैकमैन हैं वे कार्यक्षेत्र में कार्य की सुगमता एवं सरलता पूर्वक संपादन हेतु भी अलग–अलग गैंग संख्या में विभक्त किये गये है जो पुनः गैंग संख्या के आधार पर संपूर्ण कार्यक्षेत्र के विभिन्न छोटे–बड़े स्टेशनों पर पदस्थापित हैं। निर्धारित स्टेशनों पर पदस्थापित गैंग अपने निर्धारित कार्यक्षेत्र के किमी सीमा में संपूर्ण ट्रैक की निगरानी एवं आवश्यकतानुसार अनुरक्षण एवं आवश्यकतानुसार अनुरक्षण एवं मरमम्त का कार्य संपादित करते हैं।

3.3 सी.से.इं./पीवे/ऐशबाग के अंतर्गत निम्नलिखित गैंग सख्या कार्यरत है जो अपने सम्मुख लिखे गये किमी के अंतर्गत पड़ने वाले संपूर्ण ट्रैकि का अनुरक्षण एवं रम्मत का कार्य करते हैं ताकि रेल संचलन संरक्षित रूप से निर्बाध होता रहे और रेल को किसी भी ऐसी दुर्घटना जो ट्रैक की वजह से हो, को बचाया जा सके।

3.4 गैंग संख्या कार्यक्षेत्र एवं मुख्यालय स्टेशन :—
गैंग संख्या नं0 – 1 – 0/0 से 1/0 (लखनऊ जं.–यार्ड) लाईन
गैंग संख्या नं0 – 2 – 1/0 से 4/8 (लखनऊ जं.–एम.के.जी.) लाईन
गैंग संख्या नं0 – 3 – 1/0 से 8/0 (लखनऊ जं.–सीतापुर) लाईन
गैंग संख्या नं0 – 4 – 1/29 से 6/9 (लखनऊ जं.–सीतापुर) लाईन
गैंग संख्या नं0 – 5 – 6/9 से 14/0 (लखनऊ जं.–सीतापुर) लाईन
गैंग संख्या नं0 – 6 – 14/0से 22/0 (लखनऊ जं.–सीतापुर) लाईन
गैंग संख्या नं0 – 7 – 22/0 से 29/10 (लखनऊ जं.–सीतापुर) लाईन
गैंग संख्या नं0 – 8 – 29/10 से 38/0 (लखनऊ जं.–सीतापुर) लाईन

3.5 उपरोक्त गैंग संख्या में से गैंग संख्या 7 एवं8 के कर्मचारीगण ऐशबाग–मैलानी–रेनखण्ड कि आमान परिवर्तन के कारण वरिष्ठ सहायक मंडल इंजीनिय/लाईन/लखनऊ जं0 के कार्यालय आदेश के अनुपालन में अस्थाई रूप से स्थानांतरित किये गये थें जो कि दिनांक 18.11.218 एवं 23.11. 2018 की इस इकाई में वापस आ गये हैं। इन कर्मचारियों का पुनर्नियुक्ति हेतु गैंग पुनर्गठन का कार्य प्रगति पर है।

3.6 सीसेइं/पीवे/ऐशबाग इकाई के अंतर्गत कर्मचारियों के कुल स्वीकृत एवं वास्तविक संख्या को पुनः विभिन्न गैंगों में उनके कार्यक्षेत्र एवं कार्यभार के सापेक्ष आंतरिक रूप से पुनः विभाजित किया गया है जो कोटिवार रूप से निम्नलिखित है।

क्र.सं.	गैंग सं.	स्वीकृत सं0.				वास्तविक सं.			
		मेट	कीमैन	ट्रैकमैन	योग	मेट	कीमैन	ट्रैकमैन	योग
1	1	1	2	18	21	—	1	17	18
2	2	1	1	10	12	—	1	10	11
3	3	1	2	20	23	1	—	19	16
4	4	1	2	20	23	—	—	—	16
5	5	1	2	12	15	—	1	06	07
6	6	1	2	12	15	—	—	09	09
7	7	1	1	10	12	1	1	10	12
8	8	1	2	11	14	1	2	11	14
9	विविध	1	2	45	48	—	—	28	28
योग		**9**	**16**	**158**	**183**	**3**	**6**	**122**	**131**

नोट :– गैंग सं. 7 एवं 8 जो अस्थाई स्थानांतरण के पश्चात पुनः वापस इस यूनिट पर आये हैं एवं जिनका आंतरिक पुनर्नियुक्ति का कार्य प्रकृयाधीन है का स्वीकृत संख्या को ही वास्तविक संख्या मानकर दर्शाया गया है। क्योंकि इनकी वास्तविक संख्या को कार्याध्ययन दल को उपलब्ध नहीं करया गया जा सका है।

3.7 **सीसेइं/पीवे/ऐशबाग के अंतर्गत इनके कार्यक्षेत्र में पड़ने वाले समपारों की संख्या निम्नवत है** :–

क्र.सं.	एल0सी. गेटों का नं0	श्रेणी
1	05	ए
2	07	स्पेशल
3	08	ए
4	12	स्पेशल
5	14	सी
6	15	सी
7	17	सी
8	18	ए
9	19	सी
10	20	सी
11	22	सी
12	23	सी
13	26	सी
14	27	सी
15	28	सी
16	30	सी
17	31	सी
18	32	सी
19	34	सी

3.8 **केयर टेकर/चौकीदार** :– वर्तमान में इस यूनिट पर 4 चौकीदार पदरस्थापित हैं। परन्तु यूनिट पर कार्याध्ययन दल को बताया गया कि आवश्यकता अधिक होने के कारण ट्रैकमैन कोटि से भी किर्मचारियों को लेकर चौकीदार के रूप में कार्य कराया जा रहा है। ये आवश्कतायें निम्नलिखित है :–

(i) **सी.पी.ए. (कनपुर–अनवगंज) में** :– यद्यपि सी.पी.ए. कानपुर–अनवरगंज एवं आर. पी.ओ (रावतपुर) स्टेशनों को एन0सी0आर0 एवं इज्जतनगर को स्थानांनतरित किया जा चुका है, परन्तु अभी तक वहॉ पीवे के स्टोर हेतु कर्मचारी पूर्व की भॉति इसी यूनिट से कार्यरत हैं जो 12 घंटे की पाली में 02 कर्मचारी लगाये गये हैं :–

(ii) **सी.से.इं/पीवे/ऐशबाग**:– इस यूनिट के कार्यालय भवचन एवं स्टोर हेतु 12 घंटे की पाली में 02 कर्मचारी लगाये गये हैं।

(iii) **स्लीवपर स्टोर (लखनऊ जं.–मानकनगर) खंड** :– इस खंड में पड़ने वाले गेट संख्या 2 ए के पास स्लीपर स्टोर है जहॉ लगभग 5000 से 7000 स्लीपर हैं। इस हेतु 01 कर्मचारी लगाया गया है।

(iv) **बक्शी का तालाब (बी.के.टी.) स्टोर** :– इस यूनिट का एक स्टोर बक्सी का तालाब स्टेशन पर स्थित है जहॉ 12–12 घंटे की पाली में 02 कर्मचारी लगाये जाते हैं।

इस प्रकार कुल चौकीदार की आवश्यकता=7+RG/LR @30%=7+2=9 कर्मचारी

3.9 Ancillary staff:– इस समूह के कर्मचारियों के अंतर्गत निम्नलिखित कोटि के कर्मचारी आवश्यकतानुसार लगाये गये हैं।

कारपेंटर	–	02 कर्मचारी
फिटर	–	01 कर्मचारी
वेलडर	–	01 कर्मचारी
लोहार	–	02 कर्मचारी
योग	–	06 कर्मचारी

3.10 **एम0पी0 गैंग का विवरण** :– एम.जी. गैंग में वर्तमान में 28 कर्मचारी दर्शाये गये हैं जिनमें से 05 कर्मचारी चौकीदारी इत्यादि कार्य में भी लगाये जा रहे हैं। इनका विवरण निम्नवत है :–

वेल्डिंग टीम	–	08 कर्मचारी
आर्टीजन हेल्पर	–	05 कर्मचारी
चौकीदारी कार्य	–	05 कर्मचारी
ऑन डिपुटेशन	–	10 कर्मचारी
योग	–	28 कर्मचारी

3.11 इस यूनिट पर कार्याध्ययन दल को बताया गया कि 01 जे.इं. एवं 03 कर्मचारी अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित चल रहे हैं। इनमें से 01 कर्मचारी 02 वर्ष से, 01 कर्मचारी 01 वर्ष से एवं 01 कर्मचारी 01 माह से अनुपस्थित चल रहे है।

3.12 सीसेइं/पीवे/ऐशबाग के अंतर्गत तीनों पर्यवेक्षकों का गत 03 माह (अगस्त–18 से अक्टूबर–18) तक का ट्राली मूवेमेंट निम्नलिखित है।

क्र. सं.	यूनिट	खण्ड	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	योग
1	सीसेइं/पीवे/ऐशबाग इंचार्ज	LJN-DAL	7	6	7	20
		LJN-MKG	3	3	4	10
		ASH-STP	4	5	5	14
	योग		**14**	**14**	**16**	**44**
2	सीसेइं/पीवे/सेक्शन इंचार्ज	LJN-DAL	8	10	9	27
		LJN-MKG	6	7	7	20
		ASH-STP	8	8	8	24
	योग		**22**	**25**	**24**	71
3	जे.इं./पीवे कीमी 6/9–38/0	LJN-DAL	–	–	–	–
		LJN-MKG	–	–	–	–
		ASH-STP	9	14	16	39
	योग		**9**	**14**	**16**	**39**

3.13 आउट स्टेशन ड्यूटी विवरण का रजिस्टर वरि0 स.मं.इं./लाईन/लखनऊ जं. कार्यालय मॅगा लिये जाने के कारण उक्त विवरण कार्याध्ययन दल को प्राप्त नहीं हो सका है। इसे यथाशीघ्र कार्यालय पर उपलब्ध रखने को कहा गया है।

3.14 **<u>आवश्यक कर्मचारी संख्या का आंकलन</u>** :— सीसेइं/पीवे/ऐशबाग के अंतर्गत किमी संख्या 0/0 से 38/8 तक सीतापुर खंड में है एवं किमी. 0 एम/0 से 4 एम तक लखनऊ–मानकनगर खंड में तथा किमी 1074/30–1075/12 तक लखनऊ जं.–मुरादाबाद खंड में है। उपरोक्त खंडों में से लखनऊ जं. –मानकनगर तथा लखनऊ जं.– मुरादाबाद पूर्व से ही बी.जी. खंड में है परन्तु ऐशबाग–सीतापुर खण्ड एम.जी. खंड था। वर्तमान में ऐशबाग–सीतापुर खंड भी बी.जी. में कनवर्जन हो चुका है। कार्याध्ययन दल को यह भी बताया गया कि निकट भविष्य में इस खंड को भी ट्रेन संचलन हेतु खोले जाने की संभावना है। अब इस यूनिट के अंतर्गत पड़ने वाले समस्त कार्यक्षेत्र बी0जी0 हो जाने के कारण रेलपथ का रखरखाव एवं मरम्मत का कार्य मानव श्रम के साथ–साथ मशीनकृत भी हो जायेगा। विभिन्न ट्रैक मशीनों द्वारा ट्रैक की पैकिंग, बलास्ट की धुलाई, डीप स्क्रीनिंग वर्क इत्यादि कार्य मशीनों द्वारा संपादित किया जा सकता है इसके कारण मानव श्रम में बचत करके रेल राजस्व की बचत प्राप्त की जा सकती है।

3.15 उपरोक्त के संदर्भ में पर्यवेक्षकीय विचार—विमर्श, अधिकारी स्तर पर दिशा निर्देश प्राप्त करते हुए भौतिक प्रेक्षण, व्यावहारिक दृष्टिकोण इत्यादि के आधार पर गैंगवार कर्मचारियों की आवश्यकता उनके प्रस्तावित संख्या के रूम में दर्शायी जा रही है जो निम्नवत है :—

क्र.सं.	गैंग सं0	कि.मी.	स्वी. सं.	प्रस्तावित सं.	सरप्लस
1	1	0/0—1/0	21	19	2
2	2	1/0—4/8	12	12	—
3	3	1/0—8/0	23	20	3
4	4	1/29—6/9	23	20	3
5	5	6/9—14/0	15	13	2
6	6	14/0—22/0	15	13	2
7	7	22/0—29/10	12	12	—
8	8	29/10—38/0	14	14	—
9	Missc	—	48	36	12
योग			183	159	24

3.16 संस्तुतिः—संस्तुति की जाती है कि लखनऊ मंडल के इंजीनियरिंग विभाग के संबंधित सी.से.ई./पीवे इकाई से 24 पद जो आवश्यकता एवं कार्यभारसे अधिक ऑकलित किये गये है,को शीघ्र अभ्यर्पित किया जाय ।

******